

कोटा में 2९ लाख का डोडा-चूरा जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

पकड़े गये दोनों तस्करों से मादक पदार्थ के बारे में पूछताछ जारी

कोटा, (निर्स)। अवैध नशे की तस्करी के खिलाफ कोटा ग्रामीण पुलिस की ओर से चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन रूट क्लियरेंस के तहत कोटा ग्रामीण की मंडाना पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान एक मिनी ट्रक की तलाशी ली तो मिनी ट्रक की बॉडी में एक गुप्त बॉक्स में से अवैध मादक पदार्थ 1९3.120 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया। पुलिस टीम

- मिनी ट्रक के गुप्त बॉक्स में छिपाकर रख हुआ था डोडा-चूरा**

द्वारा पकड़े गये मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब 2९ लाख रूपये बताई गई है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अभियान के तहत मंडाना थानाधिकारी वासुदेव ने मय जाब्ता इलाके के काल्याखेड़ी के सामने नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की। नाकाबंदी के दौरान झालावाड़ की ओर से आ रहे एक आईसर ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली गई तो ट्रक की बॉडी में

मंडाना पुलिस टीम ने 1९3 किलो डोडा-चूरा व मिनी ट्रक को जब्त किया।

एक गुप्त बॉक्स मिला जिसकी जांच में पुलिस टीम को 1९3.120 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद हुआ, बरामद अवैध मादक पदार्थ की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार

में कीमत करीब 29 लाख रूपये है। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुे जिला लुधियाना पंजाब के शेोपुर बस्ती निवासी कुलविन्दर सिंह (35) एवं

जिला फतेहगढ़ पंजाब के अमराला निवासी गुरजन्त सिंह (2९) को गिरफ्तार किया है, पकड़े गये दोनों तस्करों से मादक पदार्थ के बारे में अनुसंधान किया जा रहा है।

अजमेर में परिवहन विभाग की कार्रवाई के खिलाफ बस संचालकों का प्रदर्शन

सीज बसों को छुड़ाने और लगातार चालान कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग

अजमेर, (कासं)।निजी बस संचालकों ने सोमवार को जिला कलैक्ट्रेट पर विरोध-प्रदर्शन किया। बस ऑपरेटर यूनियन अजमेर के बैनर तले एकत्रित हुए बस मालिकों और संचालकों ने परिवहन विभाग की कार्रवाई के खिलाफ नाराजगी जताई। प्रदर्शन के दौरान बस संचालकों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

विनोद नकवानी ने बताया कि बस

- प्रदर्शन के बाद बस संचालकों ने जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपा**

संचालकों का कहना है कि राजस्थान परिवहन विभाग द्वारा आए दिन निजी बसों के चालान काटे जा रहे हैं। इसके अलावा कई बसों को विभिन्न कारणों से सीज भी किया गया है। संचालकों का

आरोप है कि विभागीय कार्रवाई से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है और उनका व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। बस मालिकों ने बताया कि लगातार हो रही चालान की कार्रवाई के कारण न केवल उनकी आय पर असर पड़ रहा है, बल्कि यात्रियों को भी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के बाद बस संचालकों ने जिला कलैक्टर कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम जिला कलैक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में

कच्चे घर में लगी आग से लाखों रुपये का सामान जला

दौसा, (निर्स)। सदर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जौपाड़ा के खारवालों की ढाणी में एक छप्परपोश घर में आग लग गई। आग से घर में रखा लाखों रुपए का घरेलू सामान जलकर राख हो गया।

ग्रामीणों ने बताया कि रात को भोमराम खारवाल पुत्र कजोड़मल खारवाल के कच्चे घर अज्ञात कारणों से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकलरूप धूप धारण कर लिया। आग की लपटें इतनी भयंकर थी कि आसपास के घरों तक पहुंच रही थी। घर में सो रही भोमराम की पत्नी छोटी देवी व पुत्री रसना ने घर से निकलकर अपनी जान बचाई। ग्रामीणों ने आग की लपटें उठती देख गांव के लोग मौके पर पहुंचे। करीब तीन घंटे की कड़ी मशकत के बाद आग पर काबू पाया गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना ग्राम पंचायत के जन प्रतिनिधियों व अधिकारियों व हल्का पटवारी व सदर थाना पुलिस को दी। सुबह मौके पर पहुंचे प्रशासक प्रयाग कंवर व हल्का पटवारी दिपांशु सैनी ने मौका स्थिति का जायजा लिया और रिपोर्ट तैयार की। प्रशासक प्रयाग कंवर



आग लगने से घर का सारा सामान जल गया।

ने बताया कि पीड़ित भोमराम खारवाल के कच्चे घर में रखा 5 बोरि अनाज, 50 मन चारा, कपड़े, दैनिक उपयोग का सामान, 1० किलो घी और 5० हजार रूपये नगदी सहित घर में रखा घरेलू सामान जल कर राख हो गया।

ग्रामीणों ने बताया कि भोमराम खारवाल की आर्थिक स्थिति बहुत ही दयनीय है। उसके पास रहने के लिए यही कच्चा मकान था। जिसके जल जाने के बाद खुले आसमान के नीचे रहने को

मजबूर हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आग से हुई क्षति की भरपाई के लिए त्वरित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने भी पीड़ित परिवार की मदद की अपील की है। हल्का पटवारी दिपांशु सैनी ने बताया है कि खसरा नम्बर 2९7 खातेदार भूमि मे कच्चा घर में रहता था उपस्थित लोगों ने बताया कि रात को अज्ञात कारणों से पूरे छप्परपोश में आग लगने से लाखों रुपए का नुकसान हो गया।

झुंझुनूं में मेडिकल कॉलेज विवाद गहराया, चिकित्सकों ने काली पट्टी बांध प्रदर्शन किया

झुंझुनूं, (निर्स)। राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय (जीएमसी) में चल रहा विवाद अब और तेज हो गया है। एक ओर जिलेभर के सेवारत चिकित्सकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध-प्रदर्शन किया, वहीं दूसरी ओर एमबीबीएस छात्रों ने भी कक्षाओं का बहिष्कार कर धरना शुरू कर दिया। अरिसदा झुंझुनूं के आन्द्वानन पर छह सेवारत चिकित्सकों के पदनाम विलोपन के विरोध में जिलेभर के चिकित्सकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया।

जानकारी के अनुसार राजकीय बीडीके अस्पताल में सेवारत चिकित्सकों ने मुख्यद्वार पर काली पट्टी बांधकर नारेबाजी की। चिकित्सकों का आरोप है कि जीएमसी प्रधानाचार्य डॉ. राकेश साबू द्वारा तानाशाही एवं बर्बरतापूर्ण रवैया अपनाया गया है, जिससे चिकित्सक वर्ग आहत है। पदनामित चिकित्सक कॉलेज की शुरुआत से बिना किसी अतिरिक्त मानदेय के शिक्षण सेवाएं दे रहे थे। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग दिल्ली को

- चिकित्सकों का आरोप है कि जीएमसी प्रधानाचार्य डॉ. राकेश साबू द्वारा तानाशाही एवं बर्बरतापूर्ण रवैया अपनाया गया है, जिससे चिकित्सक वर्ग आहत है**

ज्ञापन भेजकर पदनामित चिकित्सकों की बहाली तथा प्रधानाचार्य पर अनुशासनात्मक कार्रवाई कर पद से हटाने की मांग की गई है। चिकित्सकों का कहना है कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की गाइडलाइन एवं राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार पदनामित किया गया था। एनएमसी की टेक-25 के तहत समायोजन की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। पद विलोपन के लिए आयोग और राज्य सरकार की अनुमति आवश्यक है। बिना सक्षम स्तर की अनुमति के पदनाम विलोपन से छह चिकित्सक अयमानित महसूस कर रहे हैं।

अरिसदा प्रवक्ता डॉ. विजय झाझड़िया ने कहा कि जब तक प्रधानाचार्य पर कार्रवाई नहीं होती और उन्हें पद से नहीं हटाया जाता, आंदोलन

जारी रहेगा। मांगें नहीं माने जाने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी गई है। अरिसदा अध्यक्ष डॉ. एसए जम्बार ने बताया कि आगे भी जिलेभर के अस्पतालों में काली पट्टी बांधकर विरोध जारी रहेगा। प्रदर्शन में डॉ. राजेन्द्र ढाका, डॉ. शीशराम गोठवाल, डॉ. पुष्पा रावत, डॉ. राजेन्द्र पायल, डॉ. जगदेव सिंह, डॉ. मधु तंवर, डॉ. आकांक्षा, डॉ. मनीषा चौधरी, डॉ. श्वेता, डॉ. दीपक देवठिया, डॉ. सपना झाझड़िया, डॉ. राहुल सोनी, डॉ. गौरव बूरी, डॉ. इंकराज अहमद, डॉ. दुष्यंत बसेरा, डॉ. प्रियंका कस्यां, डॉ. सुरेश मील, डॉ. नेमीचंद, डॉ. संदीप नेमीवाल, डॉ. प्रमोद तेतरवाल, डॉ. प्यारेलाल भालोटिया, डॉ. अरविंद जाखड़, डॉ. नवीन, डॉ. कपूर थालौर, डॉ. पूनम

चौधरी सहित अनेक चिकित्सक शामिल रहे। मलसीसर में डॉ. सतवीर और डॉ. अशोक सैनी समेत चिकित्सकों ने भी काली पट्टी बांधकर विरोध किया।

सोमवार को एमबीबीएस बैच 2०24 और 2025 के छात्रों ने भी कक्षाओं का बहिष्कार कर धरना शुरू कर दिया और अपनी मांगों को लेकर प्रधानाचार्य को ज्ञापन सौंपा। छात्रों का कहना है कि फार्माकोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी और पैथोलॉजी की प्रयोगशालाएं पूर्ण रूप से कार्यशील नहीं हैं तथा योग्य लैब तकनीशियनों की कमी है, जिससे प्रायोगिक शिक्षा प्रभावित हो रही है। छात्र राहुल शर्मा ने बताया कि क्लिनिकल एक्सपोजर के लिए बस सुविधा का आश्वासन दो-तीन माह पहले दिया गया था, लेकिन अब तक कोई व्यवस्था नहीं हुई। उन्होंने कहा कि पांच बार आवेदन देने के बावजूद सुनवाई नहीं हुई। छात्र अक्षय ने आरोप लगाया कि सेंकेड ईंपर की लेब्स फंक्शनल नहीं हैं, खेल एवं सह-

युवक पर फायरिंग, तीन गिरफ्तार

भरतपुर, (निर्स)। शहर में बदमाशों के होसले बुलंद नजर आ रहे हैं। जहां पहले एक युवक के साथ होटल में मारपीट की गई और फिर रिपोर्ट दर्ज कराने जाते समय थाने के पास ही उस पर फायरिंग कर दी। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एसपी सिटी पंकज यादव ने बताया कि परिव्रादी सुमित पुत्र अमर सिंह निवासी चर्च के पास, गोपालगढ़ ने लिखित शिकायत देकर जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगाई थी। परिव्रादी के अनुसार, वह 14 फरवरी की रात अपने दोस्तों के जन्मदिन समारोह में सारस चौराहे स्थित सन स्टार होटल गया हुआ था। इसी दौरान अजूजू ठाकुर, जीतू सहजवानी और कौशल शर्मा ने उसके साथ मारपीट की और उसे धमकाते हुए पिस्टल तान दी।

पीड़ित जब घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए थाना मथुरा गेट थाने जा रहा था, तभी थाने के पास बिजलीघर चौराहे के नजदीक आरोपियों ने उस पर फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि युवक बाल-बाल बच गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना मथुरा गेट पुलिस और डीएसटी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीनों नामजद आरोपियों अजूजू ठाकुर, जीतू सहजवानी और कौशल शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस

ने आरोपियों के कब्जे से एक देशी पिस्टल और 5 जिंद कातूस बरामद किए हैं। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ जारी है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

करवड़ पुलिस ने बताया कि

निकटवर्ती मेवासा गांव में पवन ऊर्जा संयंत्र पर काम करने वाले कर्मचारियों, गाई आदि को बंधक बनाकर मारपीट की गई। मामला महिने पर पहले का है और अब पुलिस में केस दर्ज कराया गया है। अज्ञात शख्स के खिलाफ पुलिस जांच में जुटी है।

करवड़ पुलिस ने बताया कि

भीलवाड़ा में जेसीबी से वर्षों से जमे अवैध अतिक्रमण हटाये

भीलवाड़ा, (निर्स)। नगर निगम में निर्वाचित बोर्ड का कार्यकाल समाप्त होते ही शहर की फिजा बदलने लगी है। प्रशासन ने अब शहर को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए पूरी तरह कमर कस ली है, जिसका असर सोमवार को सड़कों पर साफ नजर आया। जिला कलैक्टर एवं निगम प्रशासक जसमीत सिंह संधू के पदभार संभालते ही अतिक्रमणकारियों पर शिकंजा कसना शुरू हो गया है।

सोमवार को निगम का दस्ता जब सूचना केंद्र पहुंचा, तो वहां हड़कंप मच गया। सूचना केंद्र से लेकर भोपाल क्लब

तक निगम की जेसीबी (पीला पंजा) ने वर्षों से जमे अवैध कब्जों को हटा दिया। सड़क किनारे राहगीरों के लिए मुसीबत बने लोहे के बक्से, कांठियां और अवैध पेटयों को जेसीबी ने देखते ही देखते मलबे और कबाड़ में तब्दील कर दिया। निगम की इस सख्ती को देखकर फ्रेंड्स मेडिकल से लेकर भोपाल क्लब तक के दुकानदारों में डर बैठ गया और उन्होंने आनन-फानन में अपने अवैध टीन-टप्पर और बाहर निकला सामान खुद ही हटाना शुरू कर दिया। इससे पूर्व, प्रधान डाकघर के पास नालियों पर किए गए पक्के निर्माणां को ध्वस्त कर पूरा चौक खाली

कराया गया। इस अभियान की सबसे बड़ी सफलता आजाद चौक में देखने को मिली है। जिस चौक में पहले दुपहिया वाहन निकलना भी दूभर था, वहां अब कार्र आसानी से गुजर रही है। सड़क के दोनों ओर लगाने वाले हाथ-उठलों को पूरी तरह हटा दिया गया है, जिससे मार्ग अब काफी चौड़ा और व्यवस्थित नजर आ रहा है। शहर में हो रही इस त्वरित कार्रवाई को लेकर आमजन में तरह-तरह की चर्चाएं हैं।

स्थानीय नागरिकों ने पांच साल तक सत्ता में रहे जनप्रतिनिधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने केवल दिखावे

की कार्रवाई की, जिससे शहर की सुर्रता खराब होती रही। लोगों का कहना है कि जिन्हें व्यवस्था सुधारने के लिए चुना गया था, उन्होंने अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाई, जबकि प्रशासक के आते ही सफाई और अतिक्रमण हटाओ अभियान की गति काबिले तारीफ है। अतिक्रमण निरोधक दस्ते के प्रभारी संजय खोबर और जोगवर सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर मुस्दत हैं। निगम सूत्रों के अनुसार, सूचना केंद्र सक्रिल के पास फुटपाथ पर दुकान सजाने वालों को अंतिम चेतावनी दे दी गई है। किसी भी समय वहां फिर से जेसीबी की गर्जना सुनाई दे सकती है।

वारदातों का खुलासा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर ग्रामीण पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर, लूट, चोरी एवं नकबजनी के कई मामलों का खुलासा किया है। विभिन्न थाना क्षेत्रों में त्वरित कार्रवाई करते हुए कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि कुछ मामलों में गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। ग्रामीण एसपी नारायण ठोस ने बताया कि पुलिस थाना चामू में ग्राम चैराई में वृद्ध महिला की हत्या व लूट के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया गया। भोपालगढ़ कस्बे में बुजुर्ग महिला की हत्या का प्रकरण 48 घंटे में ट्रेस कर नाबालिग को पकड़ा गया। बिलाड़ा के उंचियारड़ा बेरा में चांदी व्यवसायी कैलाश माली की हत्या व 12.२९0 किलो चांदी लूट मामले का 24 घंटे में खुलासा कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। देवातलड़ा गांव में दिनदहाड़े हत्या व लूट का मामला भी 24 घंटे में सुलझाया गया। वहीं चोरी के मामलों में शेरागढ़ थाना क्षेत्र में सक्रिय अंतरराज्यीय बाछड़ा गैंग के पांच सदस्य पकड़े गए। रायसर में बिजली तार चोरी, पीपाड़ शहर में मंदिर चोरी और अन्य वारदातों में भी आरोपियों को गिरफ्तारी हुई।

जैसलमेर : रिहायशी इलाकों में व्यावसायिक अतिक्रमण से आक्रोश

उन गलियों और क्षेत्रों में भी व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति दी जा रही है, जो आवासीय श्रेणी में आते हैं

- आरोप है कि नगर परिषद आयुक्त द्वारा रिहायशी क्षेत्रों में नियमों को ताक पर रखकर घरेलू से व्यावसायिक रूपांतरण (कन्वर्जन) की अनुमति दी जा रही है**
- इससे न केवल शहर का मास्टर प्लान प्रभावित हो रहा है, बल्कि शांत इलाकों में रहने वाले आम नागरिक मानसिक और भौतिक रूप से परेशान हो रहे हैं**

जिसमें सड़क को चौड़ाई, पार्किंग की व्यवस्था और आसपास के निवासियों की सहमति जैसे बिंदु शामिल हैं। राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2०0९ और राजस्थान नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन नियम, 201० के तहत, रिहायशी इलाकों में ऐसी किसी भी गतिविधि को अनुमति नहीं दी जा सकती जो सार्वजनिक शांति में खलल डाले या

प्रदूषण फैलाए। आवासीय क्षेत्रों में बैकवेट हॉल, भारी गोदाम या शोर मचाने वाली कार्यशालाएं पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। वरिष्ठ नागरिक नरेंद्र कुमार ने बताया कि रिहायशी क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों के कारण ट्रैफिक जाम, पार्किंग की समस्या और देर रात तक शोर-शराबा होने पर रहवासियों को परेशानी हो रही है।